अध्याय - 2

शोध–समस्या

किसी भी शोध कार्य के लिए शोध समस्या ही आधार शिला होती है । इस शोध कार्य मे शिक्षा के लिए शोध कर्ता ने विकलाग क्षेत्र मे दृष्टिहीन क्षेत्र का चयन किया । दृष्टिहीन विद्यार्थीयो की शिक्षा के लिए समेकित शिक्षा प्रणाली चलाई गई । शोधकर्ता ने दृष्टिहीन विद्यार्थी की समेकित शिक्षा की सफलता की स्थिति को ज्ञात करने के लिए यह शोध समस्या "दृष्टिहीन विद्यार्थीयो के समेकन" का चयन किया ।

समस्या कथन :–'दृष्टिहीन विद्यार्थी के समेकन का अध्ययन'

शोध उद्देश्य

इस शोध के निम्नलिखित उद्देश्य है -

1 सामान्य विद्यार्थीयो से विद्यालय मे दृष्टिहीन विद्यार्थीयो के समेकन की स्थिति ज्ञात करना।

2 दृष्टिहीन विद्यार्थीयो से विद्यालय मे उनके समेकन की स्थिति ज्ञात करना ।

3 शिक्षक / शिक्षिकाओ से विद्यालय मे दृष्टिहीन विद्यार्थीयो के समेकन की स्थिति ज्ञात करना ।

4 विद्यालय के प्रधानाचार्य से दृष्टिहीन विद्यार्थीयो के समेकन की स्थिति ज्ञात करना ।

5 विद्यालय मे अवलोकन सारणी के द्वारा दृष्टिहीण विद्यार्थियो की समेकन की स्थिति ज्ञात करना।

शोध प्रश्न

इस शोध कार्य मे शोध प्रश्न निम्न है-

1 क्या विद्यालय मे दृष्टिहीन विद्यार्थियो का समेकन है ?

2 क्या दृष्टिहीन विद्यार्थियो की शिक्षा के लिए अतिरिक्त सुविधा प्रदान की जाती है ?

शोध चर

इस शोध कार्य मे चर निम्न है।

1	स्वतत्र चर				
2	विद्यार्थी –	1	दृष्टिहीन विद्यार्थी,	2	सामान्य विद्यार्थी,
3	स्तर –	1	प्राथमिक स्तर,	2	उच्च प्राथमिक
4	आश्रित चर – 1 समेकन – शैक्षणिक तथा सामाजिक				

चर परिभाषाएँ –

1 **दृष्टिहीन विद्यार्थी** -

ऐसे बच्चे जिन्हे सामान्य बच्चो की तुलना मे कम दिखाई देता है । इनकी दृष्टि इतनी क्षीण होती है, जो क्षीण होकर 20/200 या 6/60 मीटर वाले बच्चो को दृष्टिहीन कहा जाता है ।

2 सामान्य विदयार्थी – ऐसे बच्चे जिनकी दृष्टि सामान्य होती है ।

3 प्राथमिक स्तर – प्राथमिक स्तर के अतर्गत कक्षा–1 से कक्षा 5 तक की कक्षाएँ आती है ।

4 उच्च प्राथमिक स्तर– उच्च प्राथमिक स्तर के अतर्गत कक्षा 6 से कक्षा 8 तक की कक्षाएँ आती है ।

5 शैक्षणिक तथा सामाजिक स्तर – शैक्षणिक तथा सामाजिक समेकन के अतर्गत पढाई और सामाजिक व्यवहार को शामिल किया गया है ।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

शोध परिकल्पनाएँ –

इस शोध कार्य मे निम्नलिखित परिकल्पनाएँ है –

1 प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन विद्यार्थियो और सामान्य विद्यार्थियो की शैक्षणिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नही होता ।

2 उच्च प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन विद्यार्थियो और सामान्य विद्यार्थियो की सामाजिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नही होता ।

3 प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन विद्यार्थियो और सामान्य विद्यार्थियो की सामाजिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नही होता ।

4 उच्च प्राथमिक स्तर पर दष्टिहीन विदयार्थीयो और सामान्य विदयार्थीयो की सामाजिक समेकन सबध ी धारणा मे कोई अतर नहीं होता ।

5 प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर दष्टिहीन विदयार्थीयो मे शैक्षणिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नही होता ।

6 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर दष्टिहीन विदयार्थीयो मे सामाजिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नहीं होता ।

7 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर सामान्य विदयार्थीयो मे शैक्षणिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नही होता ।

8 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर सामान्य विदयार्थीयो मे सामाजिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नही होता ।

शोध-सीमाएँ :-

इस शोध कार्य मे सीमाएँ निम्नलिखित है –

1 इस शोध कार्य मे भोपाल शहर के एक ही शासकीय विद्यालय का चयन किया ।

2 इस शोध कार्य मे प्राथमिक स्तर कक्षा 1 से कक्षा 5 तथा उच्च प्राथमिक स्तर कक्षा 6 से 8 को शामिल किया गया ।

3 इस शोध कार्य मे शैक्षणिक एव सामाजिक समेकन का चयन किया।

शोध-महत्व -

यह कहना अतिश्योक्ति नही होगी की समाज मे दृष्टिहीन बच्चो की शिक्षा एव उनके व्यक्तित्व के विकास के प्रति सर्वाधिक अधिकार नही वरन कल्याणकारी पुण्य कमाने का कार्य माना जाता है । समेकित शिक्षा के द्वारा दृष्टिहीनो की निहीत क्षमता का विकास कर उन्हे स्वावलम्बी बनाकर समाज की प्रगति मे बराबर भागीदार बनाया जा सकता है ।

इस शोध के द्वारा दृष्टिहीनो के प्रति सकारात्मक व नकारात्मक समेकन सबधी धारणा प्रकट होगी एव उनके कारण भी सामने आयेगे। नकारात्मक कारण के सामने आने पर उनके निराकरण के सुझाव दिये जायेगे । जिससे उन्हे समाज के सामान्य सदस्य होने का अधिकार प्राप्त होगा ।

विद्यालय एव शिक्षको मे दृष्टिहीन बच्चो की शिक्षा के प्रति जागरुकता आयेगी तथा वे सभी दृष्टिहीन एव सामान्य बच्चो की शैक्षिक आवश्यकताओ को जान सकेगे एव उनकी पूर्ति का प्रयत्न करेगे।

समेकन को समेकित शिक्षा के द्वारा दृष्टिहीन बच्चे स्वावलबी एव आत्मविश्वासी बनेगे । जिससे समाज की उन्नति होगी तथा सामाजिक समस्याओ का निराकरण होगा ।

इस अध्ययन के द्वारा अभिभावको शिक्षको व विद्यार्थीयो मे दृष्टिहीनो के लिए आयोजित समेकित शिक्षा के प्रति जागृति आयेगी ।